चैत्र नवरात्र पर मां भद्रकाली मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हनुमानगढ़, (कासं)। हनुमानगढ़ के मां भद्रकाली मंदिर में चैत्र नवरात्र के पहले दिन से मेले का आगाज हो गया है। यह मेला 30 मार्च से 6 अप्रैल तक चलेगा।

मेले का उद्घाटन जिला कलेक्टर कानाराम, पुलिस अधीक्षक अरशद अली और देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त ओमप्रकाश पालीवाल ने किया। हनुमानगढ़ सेवा समिति के सेवा शिविर का शुभारंभ भी इसी दौरान हुआ। विधायक गणेश राज बंसल, पूर्व सभापति सुमित रिणवा और समाजसेवी नीरज सिंघल ने भंडारे की शुरूआत की। अधिकारियों ने मां भद्रकाली के दर्शन कर क्षेत्र की समृद्धि की कामना की। हनुमानगढ़ सेवा समिति के अध्यक्ष मदन गोपाल जिंदल ने बताया कि समिति 1985 से मेले में सेवा कार्य कर रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोया-पाया केंद्र, कंट्रोल रूम, जूता घर, चिकित्सा सुविधा और पेयजल की व्यवस्था की गई है। अमरपुरा थेहड़ी स्थित इस प्राचीन मंदिर में हर साल चैत्र नवरात्र पर मेला लगता है। राजस्थान और आस-पास के राज्यों से लाखों श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए आते हैं। इस मौके पर हनुमानगढ़ सेवा समिति के अध्यक्ष मदन गोपाल जिंदल, उपाध्यक्ष रामकुमार मंगवाना, सचिव सुनील धूडिया, कोषाध्यक्ष अनिल जिंदल, सह सचिव नितिन बंसल, मनी शंकर जालंधरा, सुरेश अग्रवाल, डॉ. मोहनलाल शर्मा, नवीन मिड्ढा, जय किशन सोनी, विकास कालड़ा, गणेश बागड़ी, रूबी पाहवा, योगेश कुमार, महेश कुमार, दीपक बागड़ी, देवीलाल पेंटर, जितेन्द्र जिंदल, साजन धूडिया, रमेश काठपाल, अजय शर्मा, मोहित जिंदल, डॉ. संतोख सिंह, रंजन सैन, अंकित हिसारिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सेवाएं दी।

हनुमानगढ़ कलेक्टर कानाराम, एस.पी. अरशद अली और देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त ओमप्रकाश पालीवाल ने नवरात्र पर मां भद्रकाली मेले का उद्घाटन किया।

एक छत के नीचे चार देवियां : अनूपगढ़ में आरसीपी कॉलोनी स्थित दुर्गा माता मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र बन गया है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां एक ही छत के नीचे चार देवियों के स्वरूप विराजमान हैं। 1982 में साधु राम बंसल और राधेश्याम अग्रवाल के प्रयासों से इस मंदिर की स्थापना हुई। पंडित रिछपाल ने विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की। तब से उनका परिवार मंदिर की सेवा कर रहा है। सबसे पहले मां दुर्गा की स्थापना हुई। भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होने से लोगों की आस्था बढ़ी। इसके बाद पवन मित्रुका ने लक्ष्मी माता की, महेश बंसीवाल ने सरस्वती माता की और शक्ति सिंह भाटी ने काली माता की प्रतिमा स्थापित करवाई।

मंदिर परिसर में अन्य देवी-देवताओं की भी प्रतिमाएं हैं। अशोक अग्रवाल ने राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापित की। सीताराम शर्मा ने हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित की। यहां भैरव की मूर्ति भी विराजमान है। वर्तमान में जन सहयोग से मंदिर का और अधिक भव्य निर्माण कार्य चल रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है। यह मंदिर आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक और श्रद्धालुओं के लिए शांति का केन्द्र बना हुआ है।

वर्तमान में मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर इस भव्य मंदिर को विशेष रूप से सजाया जाता है। यहां विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक संध्या के समय भजन-कीर्तन, दुर्गा स्तुति और विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भाग लेंगे। अशोक अग्रवाल ने बताया कि उनके पिता तथा साधुराम बंसल ने नवरात्रों में ही मंदिर की नींव रखवाई थी।

- आठ दिन तक चलेगा मां भद्रकाली का मेला
- राजस्थान और आस-पास के राज्यों से लाखों श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए आते हैं

शनि कुंभ से मीन राशि में प्रवेश : नवसंवत्सर 2082 में 29 मार्च 2025 को शनि कुंभ से मीन राशि में प्रवेश किया। यह गोचर कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आयेगा।

ज्योतिषाचार्य शर्मा ने बताया कि मेष राशि में साढ़े साती का पहला चरण शुरू होगा। सिंह और धनु राशि पर शनि की ढैय्या का प्रभाव रहेगा। मकर राशि के जातकों को विशेष राहत मिलेगी क्योंकि उनकी साढ़े साती समाप्त हो रही है। वृषभ, मिथुन, तुला और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह समय शुभ रहेगा। वृषभ राशि के रूके काम पूरे होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी पेशा लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

गणगौर की धूम, कल निकलेगी शाही सवारी

सूरतगढ़, (कासं)। होली के बाद से 16 दिन चलने वाले लोक संस्कृति के प्रमुख पर्व गणगौर की सूरतगढ़ में धूम बनी हुई है। महिलाए खासकर नवविवाहितों सहित युवतियां उत्साह के साथ गणगौर पूजन में जुटी हैं।

पूजन करने वाली महिलाएं व कन्याओं की टोलियां सुबह जल्दी उठकर गणगौर के पारंपरिक गीत गाते हुए कुआं व बावड़ी मंदिर से जल पुष्प, दुर्वा आदि लाकर गणगौर का माता पार्वती और ईसर का शिवजी के रूप में पूजन करती हैं। दोपहर में महिलाएं, लड़कियां गणगौर को बाग बगीचों में ले जाती हैं और धूप में भी छतरी की छाया में गणगौर घूमाती हैं। शाम के समय ठाकुरजी के मंदिर या घरों में बिंदोला निकाला जाता है। इसमें नव विवाहिताएं, कुंवारी कन्या सहित महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं।

शहर ही नहीं गांवों में भी गणगौर उत्सव का धूम-धड़ाका सिर चढ़कर बोल रहा है। घर-घर में बिंदोला निकाला जा रहा है। इस दौरान मंगल गीत गाने के साथ डीजे पर नृत्य कर उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पुराना बाजार में सारड़ा परिवार की ओर से गणगौर का बिंदोला धूमधाम से निकाला गया। किरण सारड़ा, रेखा व दुर्गा के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। इस बार गणगौर तीज का पर्व सोमवार को मनाया जायेगा। इस दौरान गणगौर की शाही सवारी ढोल-नगाड़ों व डीजे के साथ निकालकर गणगौर माता को सुसराल भेजने के साथ पर्व संपन्न हो जायेगा। गणगौर का व्रत पूरा होने के बाद महिलाएं ढोल नगाड़ों के साथ अपने उजमाना को पूरा करती हैं।

सार-समाचार

ईद उल फितर पर सौगात ए मोदी

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से मुमताज अली भाटी व रमजान अब्बासी ने 'सौगात ए मोदी' बांटी।

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के अनुसार प्रोग्राम सौगात ए मोदी के अंतर्गत आयोजन के प्रदेश संयोजक रमजान अब्बासी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा के मुमताज अली भाटी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बीकानेर के फारूक पठान, मोर्चा के पूर्व महामंत्री एवं पार्षद प्रतिनिधि फारूक चौहान ने आज ऐतिहासिक दिन माहे रमजान के पाक दिवस नव संवत्सर राजस्थान दिवस व ईद उल फितर की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से स्थानीय सर्वोदय बस्ती में सौगात ए मोदी सबका साथ- सबका विकास, सबका विश्वास- सबका प्रयास की भावना को परिपूर्ण करने के क्रम में मुस्लिम महिलाओं व पुरूषों को ईद किट भेंट किया गया। इस किट में विभिन्न तरह की ईद से संबंधित खाद्य सामग्री थी को वितरण कर मोदी के सौगात एवं मोदी के प्रोग्राम को सरकार संपन्न किया। उपस्थित सभी जनों को आज इस पावन पर्व भारतीय नव वर्ष राजस्थान दिवस एवं ईद की शुभकामनाएं व मुबारकबाद पेश की गई। इस अवसर पर अनेक कार्यकर्ता रविश अब्बासी, सलीम भाई, शब्बीर भाई, अहमद शाह, ताहिर भाई, नेक मोहम्मद, शाहिद अली, असगर अली, मोहम्मद रफीक शाह आदि अनेक मोर्चे के कार्यकर्ता उपस्थित थे। महिलाओं में शकील नूरजहां, हिरण बज, गुनगुन, गुड्डू रवीना, आयशा शेरावत, हिना बानो, मदीना, रईसा, मोबिना नई आदि सैकड़ों महिलाओं को किट वितरित किये गए।

बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया

रावतसर में बाल कल्याण समिति के बैंच मजिस्ट्रेट जितेन्द्र गोयल ने गरीब बच्चों को पढ़ाने में मदद की पहल की।

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के रावतसर में बाल कल्याण समिति के बैंच मजिस्ट्रेट जितेंद्र गोयल ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने उपखंड कार्यालय के सामने डेरा डाले प्रवासी श्रमिक परिवारों के बच्चों की मदद का बीड़ा उठाया है। मजिस्ट्रेट गोयल ने पाया कि ये बच्चे श्रम और भिक्षावृति में संलग्न हैं। इन परिवारों का मुख्य काम झाड़ू बनाना और बेचना है। बच्चों से भी झाड़ू बेचने का काम करवाया जाता है। साथ ही पास के अस्थाई बस स्टैंड पर भीख मांगने के लिए भी भेजा जाता है। गोयल ने अभिभावकों को समझाया कि बच्चों से श्रम न करवाएं। उन्होंने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना है कि शिक्षा से बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा और जीवन स्तर में सुधार आएगा। मजिस्ट्रेट ने वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा के आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे भी इन बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में मदद करें। उनका मानना है कि इससे सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण होगा और बच्चे देश के विकास में योगदान कर सकेंगे। गोयल ने यह भी बताया कि कई अभिभावक नशे के आदी हैं, जिसका बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिले में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

बीकानेर की कृष्णा भाटिया सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर जिले के छतरगढ़ की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कृष्णा भाटिया को चंडीगढ़ में स्त्री सामर्थ्य कार्यक्रम के तहत महिला सशक्तिकरण के लिए सम्मान किया गया। संस्थान द्वारा काम करने वाली महिलाओं का महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं का सम्मान किया जाता है। यह कार्यक्रम सीईओ नवजीवन ग्रुप एंड चेयरपर्सन नेशनल यूनिटी एंड सिक्योरिटी काउंसिल डॉ. मोनिका बी सूद द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया उपस्थित थे। जिन्होंने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उन्हें मोटिवेट किया। बीकानेर जिले के छतरगढ़ निवासी कृष्णा भाटिया को भी डॉ. मोनिका बी सूद व राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने सम्मान पत्र दिया। भाटिया पिछले लम्बे समय से बीकानेर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं।

बस स्टैंड पर खुली अन्नपूर्णा रसोई

नोखा, (कासं)। जसरासर गांव के मुख्य बस स्टैंज पर अन्नपूर्णा रसोई का उद्घाटन किया गया। राज्य सरकार की इस योजना के तहत लोगों को मात्र 8 रूपए में गुणवत्तापूर्ण भरपेट भोजन मिलेगा। इस रसोई का संचालन जागृति राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति जसरासर के शुभ-लाभ स्वयं सहायता समूह द्वारा किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में जसरासर सरपंच प्रतिनिधि और समाजसेवी चौधरी नत्थाराम तर्ड, ब्लॉक इंचार्ज पवन बिश्नोई, सीएलएफ अध्यक्ष फूसी देवी मौजूद रहे।

पुनर्सीमांकन से बदली 45 वार्डों की तस्वीर, 17 तक होगी आपत्ति दर्ज

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ के 45 वार्डों का नया पुनर्सीमांकन प्रकाशित होते ही राजनीति में हलचल मच गई है। लगभग सभी वार्डों में काफी तोड़फोड़ होने से पार्षद बनने का सपना संजोए बैठे नेता भी सकते में आ गए हैं और अब उन्होंने नए तरीके से जोड़-तोड़ बैठानी शुरू कर दी है।

- जनगणना 2011 के आधार पर वार्डों का पुनः निर्धारण किया गया है। जिसके अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में निर्धारित 45 वार्डों के प्रस्ताव (प्रपत्र क, ख, ग व नक्शा) तैयार किए गए हैं

जिला कलेक्टर डॉ मंजू की ओर से देर शाम को जारी हुई पुनर्सीमांकन की सूची में बताया गया है कि जनगणना 2011 के आधार पर वार्डों का पुनः निर्धारण किया गया है। जिसके अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में निर्धारित 45 वार्डों के प्रस्ताव (प्रपत्र क, ख, ग व नक्शा) तैयार किए गए है। वार्डों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के संबंध में किसी भी तरह आपत्ति 28 मार्च से 17 अप्रैल तक कलेक्ट्रेट या उपखंड अधिकारी कार्यालय में दर्ज करवाई जा सकेगी। इसके बाद आपत्तियों पर विचार कर निर्णय लिया जायेगा। अधिशासी अधिकारी पूजा शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार ही पुनर्सीमांकन प्रस्ताव तैयार किया गया है।

सभी वार्डों में वोट 1500 के लगभग रखने का प्रयास किया गया है और कोई भी व्यक्ति उपखंड कार्यालय व नगर पालिका में इस प्रस्ताव का अवलोकन कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि शहर की राजनीति रेलवे लाइन पार और इस तरफ रहती है। पुनर्सीमांकन में इसका असर दिखाई दे रहा है। शहर में चर्चा है कि पुनर्सीमांकन में राजनीतिक हस्तक्षेप भी रहा है और इसमें राजनीतिक रूप से भी एक-दो गुट को टारगेट किया गया है।

लाइन पार पूर्ववत: 15 वार्ड रखे गए हैं, लेकिन 12 से 37 तक वार्ड क्रम था। नए सीमांकन में 12 से 20 तक और 33 से 36 तक वार्ड रेलवे लाइन पार सूर्योदय नगरी में कर दिए गए हैं। वार्डों के नए स्वरूप से अब आम लोग पता करने में जुटे हुए हैं कि अब उनका वार्ड कौनसा होगा। इसके अलावा जहां कई नेता बाग-बाग नजर आ रहे हैं तो कईयों को निराशा हाथ लगी है।

स्कूलों को वार्षिकोत्सव की राशि आवंटित

बीकानेर,(कासं)। जिले के 1156 सरकारी स्कूलों को आखिरकार वित्तीय वर्ष खत्म होने के तीन दिन पहले वार्षिकोत्सव का बजट जारी किया गया है। बीकानेर जिले के माध्यमिक सेटअप के 568 और प्रारंभिक सेटअप के 588 स्कूलों में जनवरी माह में वार्षिकोत्सव आयोजित किए गए थे।

वार्षिकोत्सव के लिए प्रारंभिक सेटअप के प्रत्येक चयनित स्कूलों को 5 हजार तथा माध्यमिक स्कूल को 10 हजार रूपए के बजट का प्रावधान निर्धारित है। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने जिले के 1156 स्कूलों को 86.20 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है। अब संस्था प्रधानों को दो दिन के अंदर वार्षिकोत्सव का बकाया भुगतान करना होगा। अन्यथा 31 मार्च के बाद बजट लैप्स हो जायेगा। उधर शनिवार को छुट्टी के दिन भी एडीपीसी कार्यालय और ब्लॉक ऑफिस खुले रहे।

कुकर्मी ढोंगी बाबा को गिरफ्तार कर जेल भेजा

बीकानेर, (कासं)। सुदर्शना नगर निवासी ढोंगी बाबा के कारनामे पुलिस के सामने आने लगे हैं। छानबीन में उजागर हुआ है कि ढोंगी बाबा ने 30 से ज्यादा लोगों का देह शोषण किया। बदनामी के डर से बचने के लिए इन लोगों ने पुलिस को मौखिक शिकायत भी की है।

- पूछताछ में उजागर हुआ है कि ढोंगी बाबा ने 30 से ज्यादा लोगों का देह शोषण किया

सुदर्शना नगर निवासी ललित कुमार प्रजापत शिवशक्ति नागणेच्या ट्रस्ट का ट्रस्टी है और स्वयं में माताजी का निवास होने का दावा करता था। पुलिस ने उसे 5 युवकों का देह शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। ढोंगी बाबा की करतूतें अब पुलिस के सामने आने लगी हैं। लोगों की मौखिक शिकायत पर पता चला है कि उसने 30 से ज्यादा लोगों को अपने जाल में फांसकर उनका देह शोषण किया।

पीड़ितों ने पुलिस को मौखिक शिकायत भी की है। इसके अलावा ढोंगी बाबा उदयरामसर में अपना एक धाम भी बना रहा था। बताया जा रहा है कि उसने उदयरामसर में तीन बीघा जमीन गिफ्ट में हासिल की थी जहां निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। मूर्ति की स्थापना की और एक कमरा भी बना लिया था।

व्यास कॉलोनी थाने में एफआईआर दर्ज कराने वाले पीड़ित युवकों ने रिपोर्ट में बताया था कि ढोंगी बाबा युवकों को अपने कमरे में बुलाता है और उनके साथ अश्लील हरकत और देह शोषण करता था। युवकों को परिवार के शारीरिक-मानसिक रूप से बीमार होने का डर दिखाता है।

बाजार व सड़कों से अतिक्रमण हटाया

नोखा, (कासं)। बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस ने कड़े कदम उठाये हैं। सीआई अमित स्वामी ने पुलिस जवानों के साथ कस्बे के प्रमुख बाजारों का निरीक्षण किया।

- पुलिस ने चेतावनी दी है कि सड़कों और किनारों पर अतिक्रमण मिलने पर चालान किया जायेगा

उन्होंने सदर बाजार, घंटाघर, रेलवे स्टेशन, हनुमानजी मंदिर, जैन चौक, कटला चौक, भूतड़ा कोल्हू और लखारा चौक का दौरा किया। इस दौरान सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों को अंतिम चेतावनी दी गई। पुलिस ने तत्काल रास्ते खाली करवाए। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सड़कों और किनारों पर अतिक्रमण मिलने पर चालान किया जायेगा। सीआई ने सादा वर्दी में तैनात जवानों को अतिक्रमण पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। यातायात में बाधा बनने वाले वाहनों और ठेलों को जब्त करने की कार्रवाई भी की जायेगी। पुस्तकालय के पास फास्ट फूड के ठेलों से उत्पन्न यातायात समस्या के समाधान की दिशा में भी कदम उठाये गए हैं। एएसआई ओमप्रकाश यादव की अगुवाई में पुलिस जवानों की टीम बाजारों में गश्त कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई पर स्थानीय लोगों ने संतोष व्यक्त किया है।

गांजा व डोडा-पोस्त सहित गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नागौर जिले के सतेरण गांव निवासी रामस्वरूप बिश्नोई को पकड़ा है।

आरोपी सुजानगढ़ रोड पर एक किराये के मकान में रहकर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था। पुलिस को काफी समय से उस पर शक था और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से 187 ग्राम गांजा और 2 किलो से अधिक डोडा पोस्त बरामद किया गया। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बाइक भी जब्त की है। पुलिस टीम अब खरीद-फरोख्त में शामिल लोगों की तलाश कर रही है।

ट्यूबवैल की केबल फॉल्ट, पानी में करंट से गाय की मौत

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर क्षेत्र के गांव बड़ी कातर में पानी में करंट होने से गाय की मौके पर मौत हो गई। गाय खेली पर पानी पीने गई थी।

- ट्यूबवैल के पास जलभराव था, कीचड़ में डूबी फॉल्ट केबल से करीब 1000 वर्गफीट क्षेत्र में करंट फैल गया था

पास में बने जलदाय विभाग के ट्यूबवैल की केबल फॉल्ट होने से करंट पानी में फैला था। घटना शाम की है। गाय पानी पीने ट्यूबवैल के पास गई थी। तभी करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गाय के मालिक रावताराम मेघवाल ने बताया कि गाय दो साल की थी। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

उन्होंने विरोध जताते हुए गाय का शव नहीं उठाने दिया। पूरी रात शव के पास पहरा दिया। ग्रामीणों ने कहा कि जलदाय विभाग की लापरवाही से हादसा हुआ है। ट्यूबवैल के पास जलभराव था। कीचड़ में डूबी फॉल्ट केबल से करीब 1000 वर्गफीट क्षेत्र में करंट फैल गया था। इसी रास्ते से लोग और पशु रोज गुजरते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह बड़ी दुर्घटना बन सकती थी।

सूचना पर कातर चौकी पुलिस और चिकित्सा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जलदाय विभाग के अधिकारी और ठेकेदार देर रात तक नहीं आए। इससे ग्रामीणों का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि जब तक कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक शव नहीं उठने देंगे। रात में ठेकेदार की ओर से दो हेल्पर केबल बदलने पहुंचे। लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें लौटा दिया। कहा कि पहले अधिकारी आएं, ठेकेदार की जवाबदेही तय हो तभी मरम्मत होगी। पीएचईडी के एईएन मनोज मावर ने बताया कि केबल में ज्वाइंट था। उस पर टेप लगाई गई थी। तेज धूप से केबल फट गई। इससे पानी में करंट फैल गया।

राजस्थान दिवस पर 'रन फॉर फिट दौड़' में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया

बीकानेर,(कासं)। राजस्थान दिवस पर रविवार सुबह रन फॉर फिट राजस्थान -2025 का आयोजन किया गया। एडीएम (प्रशासन) रामावतार कुमावत ने सुबह सवा 7 बजे गांधी पार्क के सामने इस दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो गांधी पार्क सर्किल से प्रारंभ होकर मेजर पूर्ण सिंह सर्किल, अम्बेडकर सर्किल और तुलसी सर्किल होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। जिला प्रशासन और क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस दौड़ में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

राजस्थान दिवस पर 'रन फॉर फिट राजस्थान' को एडीएम (प्रशासन) रामावतार कुमावत ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

एडीएम (प्रशासन) रामावतार कुमावत ने मीडिया से मुखातिब होते हुए बताया कि राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत रविवार को रन फॉर फिट राजस्थान -2025 का आयोजन किया गया। आज ही के दिन नवरात्र स्थापना और चैत्र नववर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है। लिहाजा नव ऊर्जा का संचार राजस्थान से होते हुए संपूर्ण विश्व तक पहुंचे। इसी उद्देश्य के साथ इस दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ में एडीएम प्रशासन के अलावा संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार मदन लाल, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ रामगोपाल शर्मा, डिप्टी डीईओ अनिल बोड़ा, स्काउट सीओ जसवंत सिंह राजपुरोहित, स्काउट मास्टर मुकेश पांडे, कृषि अधिकारी मेघराज बंजारा, आनंद कुमार हटीला, कविता गुप्ता, सहायक कृषि अधिकारी देवेन्द्र सिंह शेखावत, कृषि पर्यवेक्षक नेमीचंद, बहादुर सिंह, एएसआई जगदीश बिश्नोई, वुशु कोच गणेश हर्ष, एथलेटिक्स कोच जगजीत सिंह बावा, फुटबॉल कोच नारायण बिस्सा, बॉस्केटबॉल कोच दिलीप बिश्नोई, बैडमिंटन कोच हेमंत मोदी, खेल परिषद से नरपत सिंह राठौड़, हर्षवर्धन हर्ष, स्काउट रेंजर अक्षिता, अर्पिता, स्काउट रोवर भरत वर्मा, पुलिस के जवान आदि मौजूद थे।

- चैत्र नवरात्र पर दौड़ का आयोजन किया गया

राजस्थान संस्कृति की व्याख्या समय की जरूरत : डॉ. सुरेन्द्र

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्र भाषा हिन्दी प्रचार समिति की ओर से आयोजित समारोह में 'विरासत और संस्कृति का पर्व : राजस्थान दिवस' विषय पर बोलते हुए राजस्थानी भाषा के साहित्यकार डॉ चेतन स्वामी ने कहा कि राजस्थानी संस्कृति समूचे विश्व को अपने विशिष्ट गुणों के कारण आकर्षित करती है। इस संस्कृति ने हमें, साहित्य, संगीत, मान्यताओं, मर्यादाओं, शिल्प, कला, रीति रिवाज, लोक वैविध्य और भाषा के रूप में अनोमल धरोहर सौंपी है। हमें सारी चेष्टा लगाकर अपनी विरासत के क्षय को रोकना चाहिए।

श्रीडूंगरगढ़ में प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र सोनी ने राजस्थान स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. स्वामी ने कहा कि हमने अब तक जो मूल्य, संस्कार आदि संजोए हैं। वे हमारी संस्कृति के भौतिक और अभौतिक दोनों स्वरूपों को अभिव्यक्त करते हैं। उन्होंने इस बात पर अधिक जोर दिया कि संस्कृति की रक्षा के लिए राजस्थानी भाषा की संरक्षा जरूरी है, अन्यथा राजस्थानी संस्कृति अपना मूल स्वरूप खो देगी। उन्होंने प्रकृति, विकृति और संस्कृति के रूपों को समझाया। मुख्य वक्ता इतिहास के प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र डी सोनी ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति को इसके इतिहास के पृष्ठों पर खोजना होगा। आज वक्त आ गया है इतिहास की पुर्नव्याख्या करने का। हमारे सांस्कृतिक इतिहास के बहुत सारे पक्ष अविवेचित पड़े हैं।